9 हमारे गाँव - हमारे तालाब
(Our Village – Our Tanks)

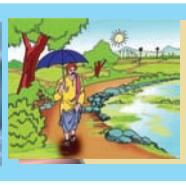

मेरा नाम वरलक्ष्मी है। हमारा किसान परिवार है। हमारे पुरुखों के ज़माने से कृषि कर रहे हैं। हमारे कृषि का आधार नागुल तालाब है। पिछले दो वर्षों से नागुल तालाब भरा नहीं। इसलिए वर्षा पर आधारित खेती करना पड़ रहा है।

मित्रों से चर्चा कीजिए-लिखिए

तालाब भरने पर उगाई जाने वाली फसलें	तालाब न भरने पर उगाई जाने वाली फसलें

पिछले दो वर्षों से वर्षा सही नहीं हुई है इसलिए धान की फलस सही नहीं हो रही है। इसलिए हमेशा तालाब के नीचे बोने वाले धान के बदले जवार, मूँगफली, कुलथी, मडुआ की फसल बोये हैं। वर्षा न होने के कारण ये फसल भी सही नहीं हुई।

सोंचिए

पर्याप्त वर्षा न हो तो क्या होगा ?

इस वर्ष भी आरंभ से वर्षा नहीं हुई। लेकिन तीन दिन से बहुत वर्षा हो रही है। यह वर्षा खेती के लिए बहुत उपयोगी होती है।

बारिश अगर रुकी तो नागुल तालाब के पास जाना चाहती हूँ। लेकिन तालाब की ओर जाने के मार्ग में लद्दमडुगु नामक छोटी नहर बहने के कारण उसको पार करके नागुल तालाब के पास नहीं जा सकी।

बच्चों ! वर्षाकाल में छोटे-छोटे नदी-नालों में प्रवाह तेज़ रहता है। इसलिए उसमें उतरना नहीं। उसमें उतरने पर प्रवाह से बह जाएँगे। आप लोग भी मत उतरें सावधान!

दोपहर के बात वर्षा कुछ कम हुई। धूप निकल आई। रिम-झिम बूँदे गिर रही हैं। आसमान में इंद्रधनुष दिखाई दी।

SCERT TELANGANA

जल्दी-जल्दी नागुल तालाब के पास पहुँच गई हूँ। तब तक वहाँ हन्मय्या, सत्यप्पा, रामगोपाल नायक, पुलप्प, मन्नेपुरेड्डी हैं। गौरी, अन्नपूर्णा भी वहाँ आए। उन्होंने देखा कि बारिश का पानी तालाब में पहुँच रहा है। तालाब भरकर अतिरिक्त पानी बह रहा है।

पानी भरकर अतिरिक्त बहने का क्या अर्थ हो सकता है?

_____

तालाब भरना, बारिश का पानी, उगाई जाने वाली फसले, तालाब के बाँध की मजबूती के बारे में सब लोगों ने बातचीत की। इस बार दो बार फसल उगाने की खुशी से कुछ लोग खेतों की ओर और कुछ लोग घर की ओर गए।

मैं भी तालाब का बाँध उतरकर खेतों की ओर जा रही थी कि नरहरी दिखाई दिया। हमारे गाँव के साथ, अड़ोस-पड़ोस के गाँवों के प्रत्येक परिवार के बारे में, तालाबों, फसलों, देवालयों के बारे में उसे जानकारी प्राप्त है। वह हमेशा तालाब के बारे में पुरानी जानकारी देते रहता है।

संग्रह कीजिए

आपके इर्द-गिर्द कौन-कौन से तालाब हैं? इससे क्या लाभ है।

तालब का गाँव	तालाब का नाम	उपयोग

SCERT TELANGANA

9.1. नागुल तालाब का इतिहास

मेरा नाम नरहरी है। हमें नागुल तालाब के नीचे थोड़ी बहुत खेती है। हम खेती करते हैं। लेकिन गाँव का इतिहास बताना हमारा प्रधान पेशा है। हमारे बाप-दादा से यह काम कर रहे हैं। नागुल तालाब के बारे में मुझे अच्छा मालूम है। हमारे पिता और पूर्वज भी इस तालाब के बारे में बताए हैं। पानी से भरे हुए तालाब को देखने पर वो सारे विषय याद आते हैं।

अब जहाँ नागुल तालाब है वहाँ पहले बड़ा जलाशय था। थोड़ी बहुत वर्षा होते ही वह पूरा भर जाता था। जलाशय के छोटे बाँध के द्वारा खेतों की सिंचाई होती थी। जलाशय के नीचे स्थित कुछ लोगों के खेंतों के लिए पानी पर्याप्त होता था। मल्लिकार्जुन नामक किसान ने सभी खेतों को पानी उपलब्ध कराने की विनती तहसीलदार से की। इंजनीयर अब्दुल बारी उस जलाशय के चारों ओर के प्रांतों का निरीक्षण करके जलाशय को तालाब बनाने की योजना बनायी।

सोंचिए....

जलाशय, तालाब के बींच क्या भेद है?

9.2. तालाब का निर्माण

तालाब का निर्माण कार्य शुरू हुआ। प्रत्येक परिवार से सभी लोगों ने जिम्मेदारी के साथ कामों में भाग लिया। गाँव की जनता ने सब एक होकर निर्माण कार्य में भाग लिया।

पानी का प्रवाह कहाँ से आ रहा है, निरीक्षण किया।

प्रवाह का अर्थ _____

_____

प्रवाह का पानी ज्यादा आने वाले प्राँतों से सीधे नहरें बनाकर उस जलाशय में मिला दिया। बाद में तालाब का बाँध बनाना आरंभ किया। बैल गाड़ियों में आस-पास के गाँवों से मिट्टी लाकर, ऊँचा बाँध बनाया। अंदर की ओर पत्थर जमाकर बनाया गया। इसके लिए गाँव के बाहर के पहाड़ से पत्थर काटकर लाए। तालाब के बाँध की दोनों तरफ़ दो जल द्वार बनाए गए।

सोंचिए....

जल द्वार किसे कहते है?

तालाबों को जल द्वार(फाटक) क्यों रहते हैं?

SCERT TELANGANA

फाटक बनाते समय इंजनीयर अब्दुल बारी ने स्वयं आकर वह कार्य पूरा किया। तालाब में पानी कितना पहुँचा ? कितना पानी रहने पर खेतों के लिए छोड़ने का मापन लगाया गया। अभी भी वह सफेद रंग में है। फाटक को फिराने की विधि को उस समय सब अश्चर्य से देखते थे। फाटक के स्तंभ को ऊपर उठाने पर तालाब का पानी नहर में बहता है। फाटक के स्तंभ को नीचे करने पर पानी बहना रुक जाता है।

क्या तुम्हें मालूम है?

कुछ तालाब नहरों से एक दूसरे से मिले रहते हैं। वर्षाकाल में एक तालाब पूर्ण होते ही पानी नहर के द्वार दूसरे तालाब में पहुँचता है। काकतीय, निज़ाम राजाओं ने इस तरह के तालाबों का निर्माण पूरे तेलंगाना में करवाया।

फाटक के निर्माण के बाद चादर का काम शुरू हुआ। तालाब भरने के बाद आए हुए पानी के बहने के लिए एक तरफ पूरे पत्थरों से चादर बनाए। चादर बहने के स्थान पर जमीन में दरार न आने के लिए बड़े-बड़ी पत्थर रखे गए। गाँव के मिस्त्रियों के इसके लिए कुछ मेहनत की है। तालाब बनाते समय सबके लिए भोजन एक ही जगह पकाते थे। दोपहर के समय सब लोग एक जगह बैठकर भोजन करते थे क्या -क्या काम कैसे करना चाहिए चर्चा करते थे। बाद में नहरें खोदना शुरू किया। दो फाटकों से बहने वाला जल चार नहरों से सभी खेतों को पहुँचने में अनुकूल नहरें खोदी गई। बाद के काल में इन नहरों को पत्थर, सिमेंट से बनाया गया।

समूह में चर्चा कीजिए:

- तालाब के निर्माण में फाटक, नहरें, चादर क्यों आवश्यक है?

तालाब निर्माण के तुरंत बाद के वर्ष में वर्षा बहुत हुई। तालाब के नीचे वाले खेतों में धान की फसल बोई गई। खेती अच्छा होने से जनता के जीवन में सुधार आया उनके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। हमारे परिवार को भी आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा मिला।

संग्रह कीजिए:

- आपके निकट के तालाब का निर्माण कैसे हुआ विवरण संग्रह करके लिखिए।
- आपके निकट के तालाबों का दर्शन कीजिए। वह कितने स्थल पर फैले हुए हैं लिखिए।

SCERT TELANGANA

9.3. राज्य के बड़े तालाब

नागुल तालाब की तरह अपने राज्य में कई तालाब हैं। राज्य के कुछ बड़े तालाबों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे !

9.3.1. रामप्पा तालाब

आचार्य जयशंकर भूपालपल्ली जिले में रमप्पा मंदिर के पास रामप्पा तालाब है। यह मानव निर्मित तालाब है। 13वीं शती में निर्मित यह तालाब 24 व कि.मी में फैला हुआ है। आस पास के कृषि भूमि के लिए यह तालाब आधार है। इस तालाब के चारों तरफ जंगल और पर्वत है। इस तालाब के पड़ोस में स्थित रामप्पा मंदिर शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है।

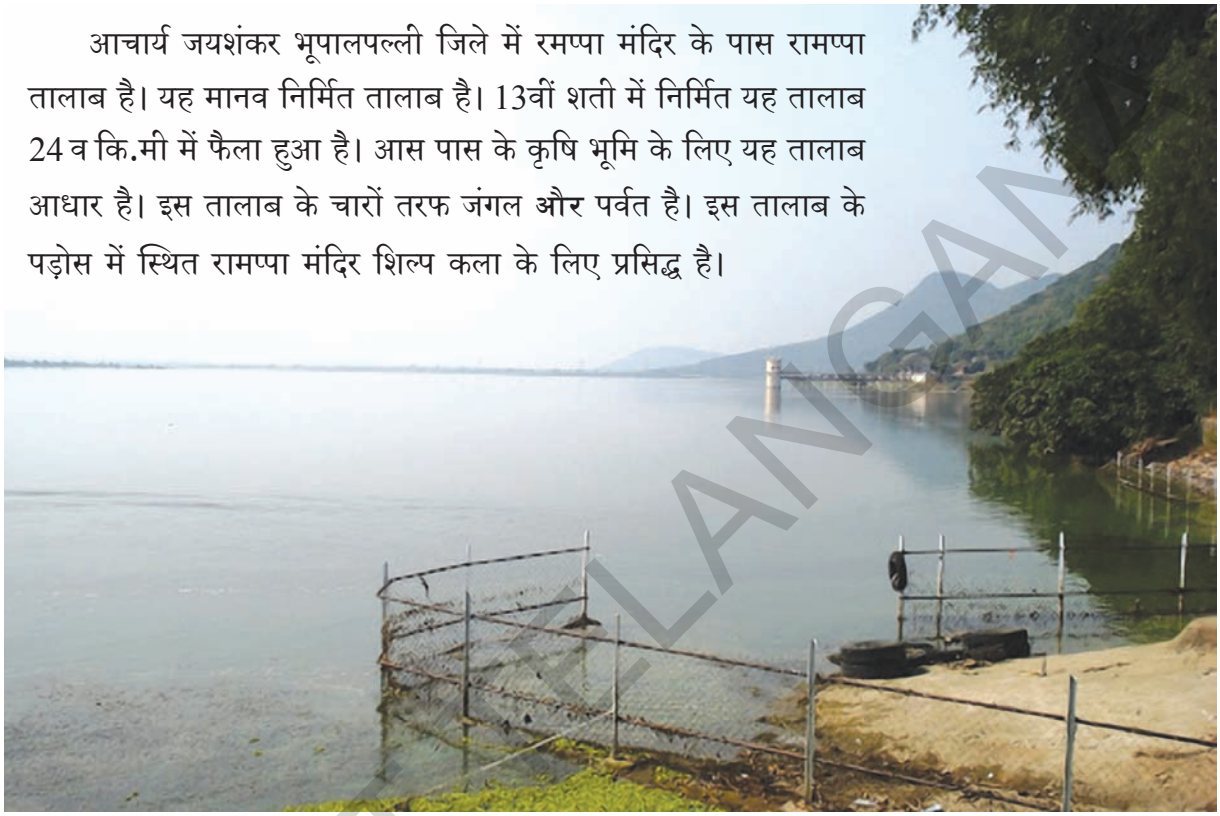

9..3.2. पानगल तालाब

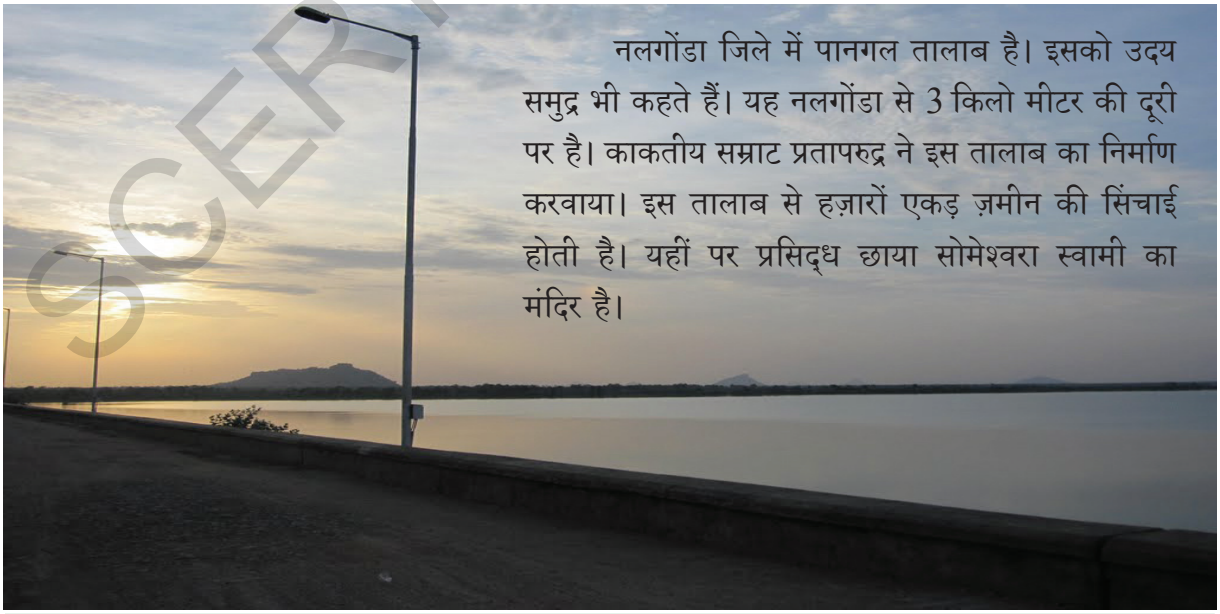

नलगोंडा जिले में पानगल तालाब है। इसको उदय समुद्र भी कहते हैं। यह नलगोंडा से 3 किलो मीटर की दूरी पर है। काकतीय सम्राट प्रतापरुद्र ने इस तालाब का निर्माण करवाया। इस तालाब से हज़ारों एकड़ ज़मीन की सिंचाई होती है। यहीं पर प्रसिद्ध छाया सोमेश्वरा स्वामी का मंदिर है।

SCERT TELANGANA

9.3.3. हुसेन सागर

हैदराबाद का हुसेन नागर राज्य के बड़े तालाबों में एक है। इसको1562 में क़ुतुबशाही शासकों ने बनाया। हुसेन सागर तट पर हैदराबाद, सिंकिंद्रबाद नगरों को मिलाने वाले बाँध को1946 में बड़ी सड़क में बदल दिये। इसी को टैंकबंड कहते हैं। 5.7 व कि.मी विस्तृत यह तालाब अब बहुत छोटा हो गया है। विभिन्न प्रकार के पत्तों से भर गया है। पर्यनटन यात्रियों द्वारा कचरा फेंकने से, नगर का गंदा पानी पहुंचने से, कारखानों का कचरा पहुँचने से, गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन से हुसेन सागर बहुत ही प्रदूषित हुआ है। 32 गज गहरा यह तालाब बहुत भर गया है। अब इस तालाब की सफ़ाई के प्रयत्न हो रहे हैं।

हैदराबाद में और एक तालाब उस्मान सागर है। इसे मूसी उप नदी पर बनाया गया है। इसी को गंडी पेट का तालाब भी कहा जाता है। यह पीने के पानी का तालाब है। आज भी यह हैदराबाद नगर वासियों के पीने के पानी के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब किस लिए हैं?
- क्या आपके जिल में ऐसे तालाब हैं? कहाँ हैं?
- राज्य के और कुछ बड़े तालाबों का विवरण बताइए। तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाए।

9.4. तालाब से किसान का लगाव

तालाबों से हमें कई लाभ हैं इसकी जानकारी है ना? नागुल तालाब से जिनका लगाभ है उनमें चेन्नय्या एक है। चेन्नय्या क्या बता रहा है जानेंगे।

मेंरा नाम चेन्नय्या हैं। बचपन से मुझे नागुल तालाब से लगाब है। मेरे पिता ने मुझे तैरना इसी तालाब में सिखाया। हर रविवार के दिन मित्रों के साथ इस तालाब के पास कपड़े धोता था।

दोस्तों से मिलकर तालाब में मछली, केकड़े पकड़ते थे। बड़े बड़े मेंढकों को देखकर भय होता था। साँप भी रहते थे। कभी-कभी कछुए भी मिलते थे। उन्हें लाकर घर के पानी की टंकी में छोड़कर सावधानी से देख-रेख करता था। पानी के ऊपर से उड़ने वाली पक्षियों को देखकर आनंद आता है। मेरा पुत्र उनके अध्यापकों के कहने पर तालाब की मिट्टी से गणेश की प्रतिमाएँ तैयार कर रहा है। मैं ने भी कुछ बनाकर दिया हूँ।

सोंचिए...

तालाब गाँव के जनता की किन जरूरतों के लिए उपयोगी है ?

9.5. तालाब से लाभ

तालब के बाँध के पास का खेत हमारा है। हर रोज तालाब के पास जाकर, फाटक खोलना, नहरों के द्वारा जल खेतों में पहुँचाना मेरे मुख्य कार्य हैं। गांव में प्रत्येक व्यक्ति को नागुल तालाब से संबंध है। हर कोई किसी न किसी तरह तालाब पर आधारित हैं। बहुत सारे लोगों को नागुल तालाब के नीचे खेत हैं। कृषि करने वाले किसानों का आधार नागुल तालाब है। तालाब भरने से कृषकों, कृषक मज़ूदरों को त्यौहार जैसा लगता है। गाँव के सब बच्चे इस तालाब में ही तैरना सीखते हैं। कपड़े धोने वालों के लिए तालाब ही आधार है। तालाब भरने पर मछली पकड़ने वालों की ईद है। अब मछली पालने के लिए छोटी मछलियों को तालाब में छोड़ रहे हैं। अंबड़ा, जूट, शाखीय पौधों को पानी में भिगोकर निकाले नार से

SCERT TELANGANA

रस्सी गूंथते हैं।

तालाब में बोर डालकर गाँव के पानी की गाड़ियों से घर-घर पानी सप्लाई कर रहे हैं। जानवरों, पक्षियों के लिए पानी का आधार अभी भी नागुल तालाब है।

तालाब के भरने पर आस पास के कुँए, बोर, चेक ड्याम में पानी का स्तर बहुत बढ़ जाता है। तालाब में पानी कम होने पर मछली पकड़ते हैं। कुछ किसान, तरबूज, खरबूजफल, ककड़ी उगाते हैं।

गर्मी के काल में तालाब में भरी मिट्टी निकालते हैं। सभी किसान इस मिट्टी को अपने खेतों में फैलाते हैं। तालाब की मिट्टी बहुत उपजाऊ होती हैं इसलिए फसल अच्छी होती है। तालाब में भरी मिट्टी निकालने से और तालाब भी साफ होता है।

समूह में चर्चा कीजिए

- किसान रस्सियों से क्या क्या करता है?
- तालाब में ही बोर क्यों डालते हैं लिखिए।
- तालाब की मिट्टी से और क्या - क्या बनाते हैं?
- तालाब भरने से आपको खुशी होगी? क्यों?

9.6. तालाब - प्रदूषण

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- तालाब किस तरह प्रदूषित हो रहा है?
- उसके क्या नुकसान हैं?

तालाबों से क्या लाभ है आपने जानलिया होगा? निम्न चित्र को देखिए।

तालाब का पानी विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। गाँव के ज्यादा लोग तालाब में ही कपड़े धोते हैं। बहुत सारे लोग सुबह में साफ सफाई तालाब के किनारे करते हैं। जानवरों को धोते हैं, भैंसें धोते हुए बच्चे उन पर बैठते हैं, तैरते हैं। आजकल ट्राक्टर, जीपकार, आटो भी तालाब में धो रहे हैं। हर साल गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन तालाब में हो रहा है। उससे प्रतिमाओं का रंग तालाब के पानी में घुलकर पानी प्रदूषित हो रहा है। मछलियाँ भी मर रही हैं। तालाब के करीब के घरों का गंदा पानी तालाब में पहुँच रहा है। सांयकाल तालाब के बाँध पर विहार के लिए आने वाले बचे खाद्य पदार्थ, खाली प्लास्टिक के कवर तालाब में डाल रहे हैं। इस तरह तालाब प्लास्टिक कवर, गंदे पानी से दिन ब दिन विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। रासायनिक दवाईयों के कारखानों से निकलने वाले व्यर्थ एवं हानिकारक पदार्थ से भूगर्व जल, तालाब के पानी को प्रदूषित करते हैं। पहले पीने के पानी के लिए उपयोगी तालाब आज पीने के लिए काम नहीं आ रहा है। **लेकिन अब** तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ कार्य किये जा रहे हैं।

पिछले साल तालाब की कुछ दूरी पर एक कारखाने के निर्माण का निर्णय लिया गया था, तब गाँव के सब लोग मिलकर विरोध करने से उसका निर्माण रुक गया। उर्वरक, दवाओं के उद्योग, फैक्टरियों से निकलने वाले व्यर्थ पदार्थ हानिकारक वस्तुएँ भूगर्भीय जल और तालाबों के पानी को दूषित करते हैं।

तालाब को हानि पहुँचाने वाले कार्य आप अपने प्रांत में देखे हैं क्या? वे क्या हैं? उसका विरोध करने के लिए सब मिलकर क्या कुछ प्रयत्न किये है? हमारे पड़ोस के तालाब को देखने पर बहुत दुख होता है।

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए आप क्या करेंगे?
- कारखाने के निर्माण का गाँव वालों ने क्यों विरोध किया?
- इस तरह तालाब की जगह घर क्यों बना लिये हैं? इसके कारण होने वाले नुकसान क्या है?
- प्राचीन काल में राजाओं ने तालाब खुदवाए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

SCERT TELANGANA

वह हमारे मामाजी का गाँव है। उस तालाब में बचपन में तीरा हूँ। अब वहाँ तालाब नहीं है। सब मकान बन गए हैं। कभी वहाँ तालाब **हुआ करता** था कहने पर किसी को विश्वास नहीं होगा।

9.7. तालाब का सूख जाना

मैं फसल की कटाई के समय रात में तालाब के बाँध पर सोता हूँ। दोपहर के समय तालाब के बाँध पर पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने की आदत सी बन गई है। तालाब के पानी से भर जाने पर बाँध पर स्थित मैसम्मा मंदिर में त्योहार करने के बाद खेतों में पानी भेजा जाता है। इसके लिए गाँव प्रत्येक घर से चावल **और** पैसे देते हैं। सब लोग बाँध पर भोजन करने के बाद खेतों में पानी छोड़ते हैं।

बतुकम्मा त्योहार के दिनों में भरे तालाब में बतुकम्माएँ छोड़ते हैं। यह देखने में बहुत सुंदर लगता है। सुवह, शाम तालाब के बाँध पर खड़े होकर सूर्योदय, सूर्यास्त देखना मुझे बहुत पसंद है। गर्मी के दिनों में यहाँ हर समय वातावरण ठंडा रहता है। किसान बाँध के पेड़ों के नीचे आराम करते हैं। सायंकाल पक्षियों **का** झुंड में आकाश में उड़ना, तालाब के बाँध पर से जानवर **का** झुंड में जाना, रात में खेतों से आने वाली ठंडी हवाएँ, खेतों से आने वाली सुगंध आदि से ग्रामीण जीवन महान दिखाई देता है। तालाब के पानी में कमल खिलते हैं। पानी पर भागने वाले कीड़े, पतंगे उन्हें खाने वाली मछलियाँ, मछलियों का शिकार करने वाले बगुलों से तालाब **का** कितनी देर देखने पर भी मन नहीं भरता। समय का पता नहीं चलता। ऐसा तालाब कैसा हो गया :-

© TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाबों में अगर पानी न हो तो क्या होगा?
- तालाबों के सूख जाने पर उस पर आधारित लोगों को क्या-क्या नुकसान होता है?

तालाब का सूखजाना - अकाल

निम्न चित्र का निरीक्षण कीजिए।

वातावरण प्रदूषण, पेड़ों क्को काटना, जंगलों को काटने से सस्यश्यामलता घटती जा रही है। सूरज की धूप पेड़ों पर न पड़कर भूमि पर पड़ने से, भू वातावरण गरम हो रहा है। वर्षा हर साल घटती जा रही है। तालाब सूख रहे हैं। कई प्रदेशों में अकाल पड़ रहा है। वर्षा ने होकर तालाब न भरने के कारण, किसान बोर डालकर सैकड़ों मीटर अंदर से भूगर्भ जल बाहर निकाल रहे हैं। मनुष्यों द्वारा किये जाने वाले इस तरह के कामों से पर्यावरण की हानि होकर अकाल जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो रही है। अभी भी कई ग्रामों में पीने का पानी सुदुर प्रांतों से ला रहे हैं। सरकार द्वारा टैंकों से पहुँचाये जाने वाले पानी पर आधारित है। ऐसी परिस्थिति क्यों आ रही है? यह एक ज्वलंत समस्या है ना? इसके लिए कौन किस तरह का कार्य करना चाहिए?

सोचिए...

यह परिस्थितियाँ अगर ऐसे ही बनी रहें तो भविष्य में हम किस दुस्थिति का सामना करेंगे अनुमान लगाइए। इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

9.8. तालाब का निर्वाह

चित्र में तालाब देखिए। तालाब में वेल पत्ते फैल गए हैं ना। कई प्रयोजनों वाले तालाब क्यों इस तरह बदल रहे हैं। तालाबों के प्रतिध्यान कौन दे? अगर ध्यान न दें तो क्या होगा? तालाबों के संरक्षण से ही हमको भविष्य है। तालाब के निर्वाह के बारे याखूब क्या कह रहा है, देखिए।

मेरा नाम याखूब है। नागुल तालाब के नीचे हमारे गाँव के खेत हैं। तालाबों के विकास के लिए सरकार सिंचाई जल प्रचालन समितियों की व्यवस्था की है। हमारे गाँव में सब किसान मिलकर मुझे अध्यक्ष चुन लिये हैं। हमारी समिति हर वर्ष फाटकों, (जल द्वारा) चादर, खेतों कीई नहरों की मरम्मत कराती है। ग्री[illegible] की मिट्टी खेतों में पहुँचाती है। तालाब के बाँध में दरार न पड़ने की सावधानी लेती

संग्रह कीजिए

अब हमारी राज्यसरकार 'मिशन काकतीय' के नाम से राज्यस्तर पर सूखे तालाबों की मिट्टी निकालकर जल संरक्षण के परिमाण को बढ़ाने को प्रयत्न कर रही है।

SCERT TELANGANA

संग्रह कीजिए

आपके करीब में तालाबों के सिंचाई जल प्रचालन समितियों के विवरण, उसके कार्य आदि संग्रह करके चर्चा कीजिए।

क्या तुम्हें मालूम है?

झीलों का शहर उदयपुर

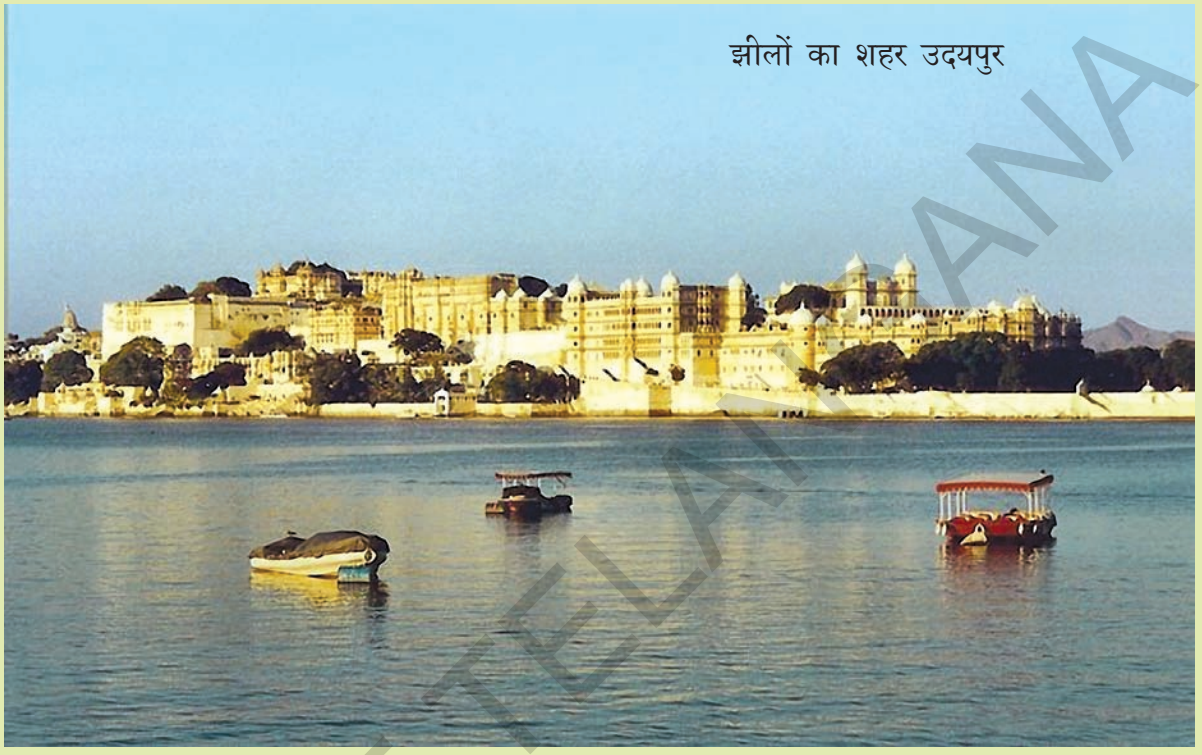

राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर को झीलों का शहर (सिटी ऑफ लेक्स) कहते हैं। उदयपुर के चारों तरफ अनेक झीलें रहने के कारण यह नाम पड़ा। पहले जमाने में पीने के पानी के लिए, कृषि के लिए इन्हें बनवाया गया। उदयपुर के सभी झीलों में पिचोला झील प्रमुख है। 1362 में बंजारा लोगों के द्वारा निर्मित इस झील का बाद में महाराज उदयसिंह ने विकसित किया। उदयपुर शहर में सभी राज भवन झीलों के किनारे बनाए गए। उसमें जग निवास, सिटी पैलेस मुख्य हैं।

मुख्य शब्द :

1. कृषि
2. नहर
3. तालाब
4. जलाशय
5. जल उफान
6. प्रवाह जल
7. फाटक (जल द्वारा)
8. तालाब का निर्माण
9. तालब का बाँध
10. कृषि भूमि (कृषि क्षेत्र)
11. वेल पत्ते
12. तालाब प्रदूषण
13. तालाब के उपयोग
14. दरार पड़ना
15. तालाब का निर्वाह

SCERT TELANGANA

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) तालाब क्यों चाहिए?

आ) तालाब का पानी किस के लिए उपयोग करते हैं?

इ) सिंचाई समितियाँ क्यों आवश्यक हैं ?

ई) आपके गाँव में होने वाली फसलों में कम पानी से उगने वाली फसलें क्या है?

उ) तुम्हारा मानना है कि फाटक से क्या-क्या लाभ है?

ऊ) तालाब पर कौन-कौन आधारित हैं? मुख्य रूप से किसान किस तरह आधारित है?

ऋ) तालाब की रक्षा हमें किस तरह करना चाहिए।

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

कविता दादाजी के साथ उनके गाँव में चेक डैम के पास गई। उसने चेकडैम के बारे में दादाजी से बहुत प्रश्न पूछे। आप कौन-कौन से प्रश्न करेंगे।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) पास के तालाब के पास जाइए। वहाँ दिखाई देने वाले अंश लिखिए (तालाब में, किनारे पर, तालाब के चारों ओर, तालाब के लाभ आदि।)

आ) अध्यापक की सहायता से आपके गाँव के खेतों में जाइए। तालाब से खेतों में पानी आने वाले मार्ग का निरीक्षण कीजिए। लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- आपको जो पता है उस जिले या राज्य के प्रमुख तालाब का नाम लिखिए। उसके इतिहास को जानिए। उसका चित्र उतारें। उस तालाब के विवरण लिखकर प्रदर्शित कीजिए। इसके लिए तारीबों की जानकारी देने वाली पुस्तकें, समाचार पत्र, या इंटरनेट में विवरण संग्रहित कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) रामप्पा, पाकाल, पानगल, हुसैन सागर और अन्य तालाबों के नाम संग्रह कीजिए। ये अपने राज्य में किन-किन जिलों में कहाँ-कहाँ है? तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाएँ।

SCERT TELANGANA

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरुकता

अ) तालाब में दरार आईं। गाँव वाले सब मिलकर उसकी मरम्मत कर दिए। तुमने वह देखा है। हर एक के श्रम के बारे में अपने मित्रों को कैसे बताओंगे ?

आ) तालाब हमारे लिए ही नहीं, पक्षियों, जंतुओं, अन्य कीड़ो के लिए भी जीवनधार है। ऐसे तालबों को प्रदूषण से बचाने के लिए आप सब जुलूस में भाग लेना चाह रहे हैं। इसके लिए आप प्रदूषण को बताने वाले नारे लिखिए। उसी तरह तालाब प्रदूषित न होने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं बताइए।

इ) तालाबों को सुखाकर घर बना रहे हैं। ऐसा करने से जानवरों, मनुष्यों को कैसे हानि होगी? इसके निवारण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	तालाब के लाभ, निर्माण की दशाओं, उसके प्रयोजन का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	तालाबों के बाँधों के बारे में जानने के लिए प्रश्न पूछ सक्ता हूँ ।	हाँ / नहीं
3.	प्रसिद्ध तालाबों को मानचित्र में पहचान सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	तालाब के इतिहास को जानकर बता सकता हूँ।	हाँ/ नहीं
5.	तालाब संरक्षण के लिए नारे लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं

लक्नवरम तालाब, वरंगल

SCERT TELANGANA